# कोविड–19 का जनजीवन पर प्रभाव

डॉ. श्रीमती धनेश्वरी दुबे,
सहायक प्राध्यापक
गवर्नमेंट इंजीनियर विश्वेश्वरैया स्नाकोत्तर महाविद्यालय, कोरबा (छत्तीसगढ़)

## प्रस्तावना :

कोरोनावायरस (सी ओ वी) का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान मे शुरू हुआ था। विश्व स्वास्थ्यसंगठन (डब्लू एच ओ) के अनुसार बुखार, खांसी, सांस लेने मेतकलीफ इसके लक्षण है। इसके संक्रमण के फलस्वरुप नाक वहना और गले में खराश होना जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती है।

कोरोनावायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित कर दिया है। कोरोना वायरस वहुत सूक्ष्म लेकिन प्रभावी वायरस है। यह वायरस मानव के वाल की तुलना में 900 गुना छोटा है। लेकिन कोरोना का संक्रमण दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है। अव तक इस वायरस को रोकने वाला कोई टीका नहीं वना है। कोविड–19 नाम का यह वायरस अव तक 70 से ज्यादा देशों में फैल चुका है।

## कोविड–19का जनजीवन में प्रभाव :

कोविड–19 के देश में प्रवेश करने से लोगों में काफी हलचल सी मच गईद्य इससे जनजीवन पर वहुत प्रभाव पड़ा लोगों को कोरोना के कहर से वचाने के लिए सरकार को देश में लॉकडाउन करना पड़ा। इस लॉकडाउन से जन जीवन में कुछ लाभकारी प्रभाव देखने को मिला जिसे हम सकारात्मक प्रभाव कह सकते हैं, तो कुछ हानिकारक प्रभाव सामने आया जिसे हम नकारात्मक प्रभाव भी कह सकते हैं। अतएव कोविड–19 का जनजीवन में प्रभाव को जानने के पहले'लॉकडाउन क्या है? इसका अर्थ समझना उपयोगी होगा।

## लॉकडाउन का अर्थ :

लॉकडाउन अर्थात वंद या तालावंदी। ऐसी स्थिति में जव पूरा देश वंद हो उसे लॉकडाउन कहते हैं। इसके तहत सभी को अपने–अपने घरों में रहने की सलाह दी गई है जिसका सरकार की तरफ से कड़ाई से पालन भी करवाया जा रहा है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि कोरोना वायरस महामारी मानव जाति के इतिहास में पहली वार आई है।

अव पूरा देश इस वायरस से लड़ने के लिए अपने–अपने घरों में कैद हो गया है। इस महामारी के प्रकोप से लाखों लोग अपनी जान गवां चुके हैं और इससे वचने का सिर्फ एक ही रास्ता है और वो है' सोशल डिस्टेंसिंग' यानी सामाजिक दूरी। यह संक्रमण एक से दूसरे इंसान तक बहुत तेजी से फैलता है जिसके कारण भारत सरकार ने लॉकडाउन को हीइससे वचने के लिए आवश्यक कहा है।

## लॉकडाउन का लाभकारी या सकारात्मक प्रभाव :

लॉकडाउन से पहले के समय की बात करें तो उस वक्त हम सभी अपने रोजमर्रा के कामों में इतना व्यस्त



PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAYA
P. G. COLLEGE, KORBA (C. G.)
GOVT. E.V.P.G. COLLEGE KORBA